Its price at the begining of the present season was between Rs. 3,300 and Rs. 6,400 per candy and at present the price is between Rs. 2.200 and Rs. 2,300 per candy.

(d) Representations have been received from the growers wherein they have requested that Cotton Corporation of India should buy all the unsold stock of cotton lying with growers.

(e) The Cotton Corporation of India is already in the market for buying V-797 variety of Kapas and also full pressed bales of V-797 varieties from the growers cooperatives societies for meeting the requirements of NTC mills. Cotton Corporation of India purchased 66,194 qtls. of kapas, 9,105 qtls. of lint and 3,300 full-pressed bales till 29-4-78. The purchases are still in progress.

आम की और अजमेरी बेर की किस्म के उत्पादन में वृद्धि

9599. श्री धर्म सिंह भाई पटेल : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्र सरकार तथा गुजरात सरकार ने आम की और अजमेरी बेर की किस्म उत्पादन में वृद्धि करने तथा गुजरात में एक ही पेड़ पर चार किस्म के आम उगाने की एक योजना तैयार की है और यदि हां, तो उसका स्वरूप क्या है ;

(ख) अजमेरी बेर की कलमी डालियों की संख्या कितनी हैं और इस योजना के अधीन गुजरात में उक्त किस्म के आम के कितने पेड़ लगाने का विचार हैं ;

(ग) उक्त योजना के लिए केन्द्र सरकार द्वारा गुजरात सरकार को कितनी तथा किस तरह की सहायता दिए जाने का विचार है और

(घ) इस योजना के अधीन अजमेरी बेर की प्रत्येक सांकुर डाली एवं आम की प्रत्येक किस्म का कितनी संख्या में उत्पादन किए जाने की आशा है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : गुजरात में अजमेरी क्लासम का उत्पादन बढ़ाने तथा आम के एक ही वृक्ष में चार किस्मों के आमों का उत्पादन करने के लिए केन्द्रीय सरकार की कोई योजना नहीं है । तथापि गुजरात राज्य सरकार ने राज्य क्षेत्र में अजमेरी बेरमुकुलन के लिए एक योजना बनाई हैं । इस योजना के तहत कृषि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में घटिया किस्म के बेर के वृक्षों का उन्नत किस्मों के साथ मुकुलन किया जाता है । राज्य सरकार के पास भी आम के एक ही वृक्ष से चार किस्मों के आम पैदा करने की कोई योजना नहीं है ।

(ख) बेर के घटिया किस्म के 10,000 वृक्षों को उन्नत किस्मों में बदलने का प्रस्ताव है । एक ही वृक्ष में चार किस्मों के आम के फल पैदा करने की कोई योजना नहीं है । अतः रोपण किए जाने वाले वृक्षों की संख्या से संबधित सूचना शून्य समझी जाए ।

(ग) उक्त योजनाओं के लिए गुजरात सरकार को सहायता देने के बारे में केन्द्रीय सरकार का कोई प्रस्ताव नहीं हैं । तथापि, राज्य सरकार ने बेर वृक्षों की काट-छांट योजना के लिए 14,000 रु० की मंजूरी दी है । राज्य कृषि विभाग बेर मुकुलन की पूरी लागत वहन करेगा ?

(घ) बेर मुकुलन योजना के अंतर्गत पांच चुने हुए जिलों अर्थात बनासकांठा, महसाना, राजकोट, अमरेली तथा कच्छ में से प्रत्येक जिले में 2000 के हिसाब से वृक्षों की कांटछांट द्वारा घटिया किस्म के 10,000 वृक्षों का सुधार करने का प्रस्ताव है । आम से संबंधित सूचना शून्य समझी जाए ।